NAME - Aarti

Class - BA III

Roll No - 21220702

Subject - Music

Code - MUSA 307 TH

Assignment of Music

Submitted by Aarti

Submitted to Dr. Niti Gupta

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature _____

Chitra

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में विवाह के समय गाए जाने वाले लोकगीत —

हिमाचल प्रदेश प्रकृति की गोद में बसा हुआ एक बहुत ही सुंदर राज्य है। हिमाचल प्रदेश में लोकगीतों का प्रचलन बहुत अधिक है। प्रत्येक संस्कारों के लिए विभिन्न ज़िलों में विभिन्न गीत गाए जाते हैं।

सोलन ज़िले में लड़के और लड़की के विवाह में तेल संस्कार के समय गाए जाने वाले गीत -

(तेल गीत)

1 तेलिया - मेलिया तेल पावे
रल - मिल मंगल गाइये.........
अम्मा सुहागण तेल पावे
रल - मिल मंगल गाइये.......
मासी सुहागण तेल पावे
रल - मिल मंगल गाइये......
बुआ सुहागण तेल पावे
रल - मिल मंगल गाइये.....
चाची सुहागण तेल पावे
रल - मिल मंगल गाइये ...

Chitra

2 बटणा (हल्दी) गीत (लड़का - लड़की)

बटणा लगा ले (कँवारिये) (कँवारिया) गुढ़ा रंग बटणे दा - 2
अपनी माता नूं प्यारा गुढ़ा रंग बटणे दा.
अपने पिता नूं प्यारा गुढ़ा रंग बटणे दा
अपनी बुआ नूं प्यारा गुढ़ा रंग बटणे दा
अपनी चाची नूं प्यारा गुढ़ा रंग बटणे दा
बटणा लगा ले कँवारिये गुढ़ा रंग बटणे दा।

3. स्नान गीत (लड़की) (लड़का)

1 आँगण, चौकड़ कीने बे किया, ओ कीने बे डोलेया पानी......
आँगण - चौकड़ 'बन्ने' किये - माये डोलेया पानी....

(ii) चनण (चंदन) दी चौंकी संगइये बन्ना (बन्नी) नावण आये
दहीं और तेल मलाइये बन्ना नावण आया
गंगा जल लगाइए बन्ना नावण आये
आँगण, चौकड़ कीने बे किया, ओ कीने बे डोलेया पानी ...

Chitra

4. मेंहदी गीत (लड़की)

?

मेंहदी गीत (लड़का) (घोड़ी)

नीली तेरी घोड़ी वे बनेया बैठी मेंहदी
लगावे..
च्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
तेल च्वोवे (लगावे)
च्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
मेंहदी लगावे
च्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
बरिया (कपड़े) पावे
च्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
गहणे सजावे.

शांति पूजा गीत (लड़की)

शांत करावे लाडो मामे तेरे
शांति दा वणा गया आकाशा
जो पित्रा है पास
पित्र इनके स्वर्ग बसे

शांति पूजा गीत (लड़का)

शांति बेठगा ओ पंडता ओ वे तुसे
कया वे चाहिदा ।
जुग - २ जीयो जजमाणि मुसे रेत
चाहिदा !
शांति बेठगा ओ पंडता ओ वे तुसे
कया वे चाहिदा ,
जुग - २ जीयो जजमाणि मुसे थैली
चाहिदी ।
शांति बेठगा ओ पंडता ओ वे तुसे
कया वे चाहिदा
जुग - 2 जीवे जजमाणिये मुसे गुलाल
वे चाहिदा !

सेहरा बंदन (बरात प्रस्थान)

किण - मिण, किण - मिण मीं (बादल) बरसे
हरे - हरे जौं तेरी घोड़ी चुगे
कौन बन्ना तेरे शगण करे - कौन
बन्ना तेरी बारात चढ़े ।
माता.. जे धरमी मेरे शगन करे
पिता.. जे धरमी मेरे जनेत (बारात)
चढ़े ।
कौन बन्ना तेरे शगण करे, कौन बन्ना
तेरी बारात चढ़े ।

सुहाग गीत -

1 पक्के - पक्के आम्ब से चुगी गोदा पास
पक्के - पक्के आम्ब से चुगी गोदा पास
कच्चेयाँ दी कदर न पाई

2 चन्न चढेया वणी दे ओले
चन्न चढदे ने रस्मा छड्डियाँ । - 2

माता रौंदीए पिता दे ओले
धीआं अपणे घरां नौं चलियां ।
तू कजो रौंदी मार मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

3. तू कजो रौंदी चाची मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां
चुन्न चढेया वणी दे ओले
चन्न चढदे ने रस्मा छड्डियाँ

तू कजो रौंदी ताई मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

तू कजो रौंदी बुआ मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature ______

बिदाई गीत

बापू दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरा बापू भी बिछड़ेया
मेरी अम्मा भी बिछड़ी, बिछड़ी
सहेलियाँ दी जोड़ी. - 2

भाईया दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरी बहना भी बिछड़ी मेरी भाभो (भाभी)
भी बिछड़ी, मेरी बिछड़ी सहेलियां दी
जोड़ी. - 2

मामा दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरा मामा भी बिछड़ा, मेरी मामियाँ
भी बिछड़ी, मेरी बिछड़ी सहेलियाँ दी
जोड़ी - 2

बापू दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी -

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature ______

भोजन करते समय गाए जाने वाले गीत

मिर्चां चरपणियां चणयां दी दाल करारी
खाई करी होर मंगदा, लनडां च कड़दी मारी - 2

~~कम दा नी किसी काम दा~~
काम दा नी कर दा मुंडा, बोतल पी गया सारी, जो पी कर खान वेगना, खागेया नालदी सारी, जो मिर्चां चरपणियां चणयां दी दाल बनाई

मैं ठानेदार ठाने दा कुड़े, नि चलणा मुकदमा भारी - 2
हो कुड़ी जो मैं ठानेदार दी चलणा मुकदमा भारी - 2

ओ मिर्चां चरपणियां चणयां दी दाल करारी - 2
खाई करी होर मंगदा, लनडां च कड़दी मारी

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature ______

बधाई गीत

बधाई हो बधाई बन्ने की शादी आई
मैंने न्यौता दिया भगवान को - 2

(1) पहला न्यौता मैंने गणपत जी को भेजा
वो तो दौड़े-2 आए संग में रिद्धि-सिद्धि लाए, मैंने न्यौता दिया भगवान को

(2) दूजा न्यौता मैंने ~~ब्रह्मा~~ ब्रह्माजी को भेजा
वो तो दौड़े-2 आए संग में ब्रह्माणी को लाए
मैंने न्यौता दिया भगवान को.

Name Gaytri

Class B.A III

Roll No. 2122070

CODE - MUSA307TH

Subject Music

Submitted to :

Dr. Niti Gupta

Submitted by :

Gaytri

हिमाचल के लोकगीत

हिमाचल प्रदेश भारत के खूबसूरत राज्यों में से एक नाम है। यह भारत का बहुत ही खूबसूरत राज्य है। इस राज्य की सुंदरता को हिमाचल प्रदेश की संस्कृति चार-चांद लगा देती है।

यहां के लोकगीत विवाह या अन्य शुभ अवसरों पर गाए जाते हैं। यहां के लोकगीतों का अपना आनन्द व महत्व है।
लड़की के विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत :-

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के छोटे-से गांव पट्टा महलोग में लड़की के विवाह के समय बहुत-सी रस्में होती है, जिन्हे खूबसूरती वहां के लोकगीतों द्वारा मिलती है।
लड़की की शादी के एक दिन पहले तेल व बटणा (हल्दी) की रस्में होती है।
जिसमें इस प्रकार के गीत गाए जाते हैं।

1) दो बन्जारन तेला नू भेजे ओ पी ना आए मुड़के ...

थोड़ा-थोड़ा तेल मेरी अम्मा जी नूं देयो
और मलो अंग मेरे

इसके बाद लड़की को हल्दी लगाने की रस्म शुरू की जाती है। जिसमें इस प्रकार के गीत गाए जाते हैं —

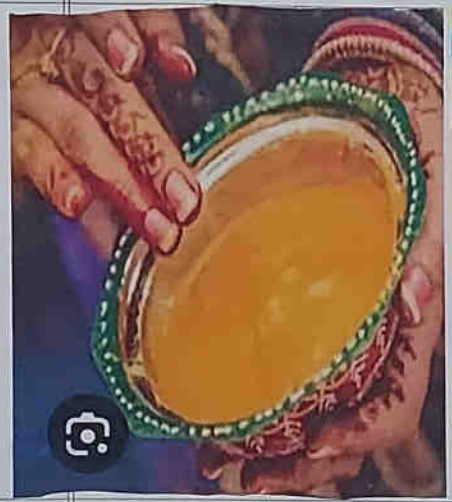

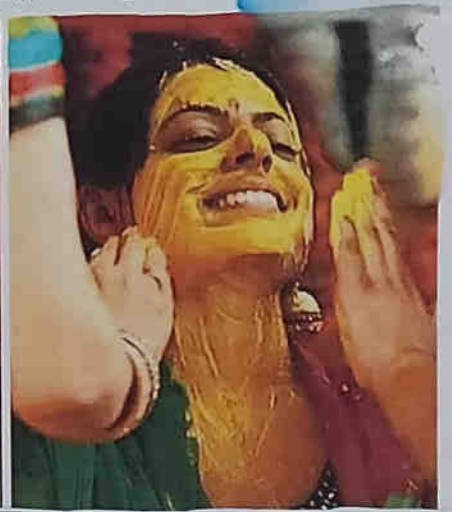

दो बन्जारन बटने नू भेजे ओ पी ना आए मुड़के .....
थोड़ा-थोड़ा बटना मेरी सहेलियां नू दयोओ
और मल्यो अंग मेरे .....

(3) हल्दी के समय एक और गीत गाया जाता है, जो इस प्रकार से है —

बाए - बाए कटोरा ए बटने दा
बाए - बाए कटोरा ए बटने दा ......

बाए - बाए मलैंदिया ए दो जनियां
बाए - बाए मलैंदिया ए दो जनियां ....

बाए - बाए कटोरा ए बटने दा,
बाए - बाए कटोरा ए बटने दा ....

बाए - बाए मलैंदिया ए दो सखियां
बाए - बाए मलैंदिया ए दो सखियां .....

इसके बाद हल्दी की रस्म जैसे ही खत्म होती है, लड़की को नहाने के लिए ले जाया जाता है। इसमें भी गीत गाए जाते हैं।

(3) गंगाजल नीर मंगाइयो, बेटी नहाने जो आई
घनतारा पादड़ा दबाइलो, बेटी नहाने जो आई....
गंगाजल नीर मंगाइयो, बेटी नहाने जो आई

गऊआं दा दुध मंगाइयो बेटी नहाने जो आई
गऊआं दा दुध मंगाइयो बेटी नहाने जो आई ....

गंगाजल नीर मंगाइयो बेटी नहाने जो आई।

अगली प्रातः बारात आने के पश्चात जब लड़की को मंडप पर मामा द्वारा लाया जाता है, तो ये गीत गाया जाता है –

(4) चंद चांदी दा चदेया ओ चांदनी हुई चफेरे
चंद चांदी दा चदेया ओ चांदनी हुई चफेरे

कोई राजपति आए, पापे ते घसी है बेड़े
कोई राजपति आए, पापे ते घसी है बेड़े

चंद चांदी दा चदेया ओ चांदनी हुई चफेरे

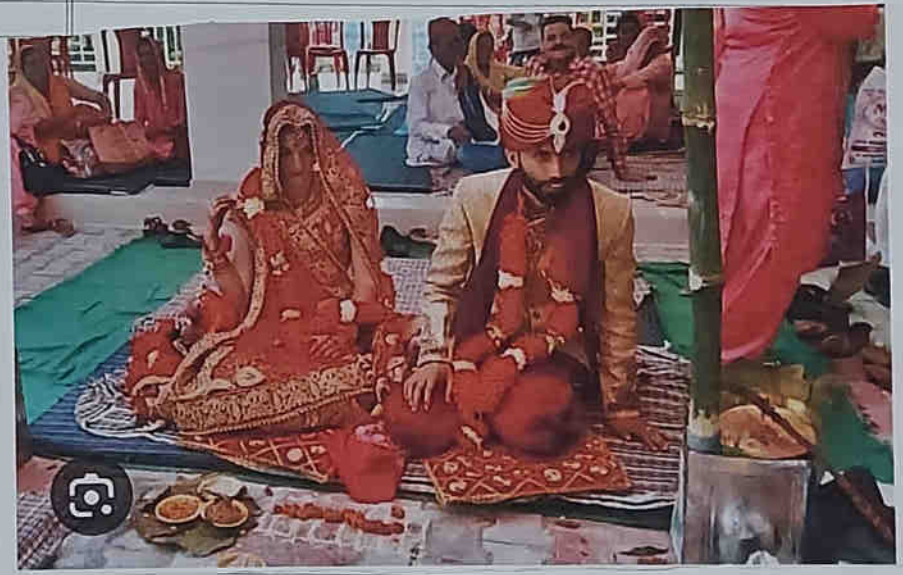

अंत में आती है विदाई। जो माता-पिता और लड़की की कठिन परीक्षा होती है। जहां एक ओर माँ-बाप को बिटिया को विदा करना मुश्किल होता है, वहीं बेटी न चाहकर भी अपना घर आंगन छोड़कर विदा होती है। इस मुश्किल अवसर पर भावनाओं को व्यक्त करने वाला गीत गाया जाता है।

(5) घनिया बीजन मैं चली ओ बाप दी फुलक्यारियां
घनिया बीजन मैं चली ओ बाप दी फुलक्यारियां।

जांदे - जांदे कृष्ण जी मिलये सालुए दी लाइलेई
ओठ वेड़.....

घनिया बीजन मैं चली आ चाचे दी
फुलक्यारियां
घनिया बीजन मैं चली आ चाचे दी फुलक्यारियां...

जांदे - जांदे कृष्ण जी मिलये सालुए दी लाइलेयी
ओठ वेड़ ....

लड़के के विवाह के अवसर पर गाया जाने वाला लोकगीत :-

कगली दा रंग सुहा लाल, लाल मेरे बनरे दे
माथे दे चमके वाल बाल मेरे बनरे दे
लेयाओ रे बनाऊ तैनू सगना दी वर्दी,
वर्दी दा रंग सुहा लाल, लाल मेरे बनरे दे
माथे दे चमके बाल, बाल मेरे बनरे दे।

Name - Monika

Class - B.A. (3rd Year)

Roll No. - 21220703

Subject - Music

Subject Code - MUSA307TH

Submitted to

Dr. Niti Gupta

Submitted by

Monika

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature _____

Assignment of Music

शादी समारोह में अपनी संस्कृति की झलक न मिले तो वो शादी ही क्या .....?? चाहे वो दक्षिण की शादी हो या उत्तर भारत हर जगह अपनी संस्कृति से जुड़े लोकगीत और नृत्य देखने को मिलते हैं। हिमाचल पंजाब या यूँ कहें तो डोगरी क्षेत्र में लड़के-लड़की दोनों की ही शादी मे विवाह गीत गाए जाते हैं।

हिमाचल प्रदेश में लड़के की शादी मे गाए जाने वाले गीतों को "घोड़ियाँ" और लड़की की शादी मे गाए जाने वाले गीतों को "सुहाग" कहा जाता है।

इसके लिए महिलाएँ दो समूह बना कर बारी-बारी से गीत के बोल गाती है। इन गानों के बोल अगर हम गहराई से समझे तो बहुत कुछ सिखाते हैं।

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature

Chitra

लड़की के विवाह में गाए जाने वाले सुहाग गीत

- एकी बेटी आमा दो फुल लगदे एक बहन दुवा पाई

पाईयां ने लेणी आम्मा तेरीयां जगीरा बेहना ने जाना पराए देश ..... (2)

- एकी बेली चाची दो फुल लगदे एक बहन दुवा पाई

पाईयाँ ने लेणी तेरीयाँ जगीरा चाची बेहना ने जाणा पराए देश .... (2)

- एकी बेली ताई फुल लगदे एक बहन दुवा पाई

पाईयाँ ने लेणी ताई तेरीयाँ जगीरा बेहना ने जाणा पराए देश .... (2)

→ यह गीत उस समय गाया जाता है जब लड़की की विदाई हो रही होती है और लड़की की चाची ताई माँ सभी की आँखें नम होती है तो गाँव की औरतो द्वारा यह गीत (सुहाग) गाया जाता है।

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature

Chitra

पुत्री :- देरवेओ बापू जी बाहरे कुन जोगी आया
काहे दा मांगदा ये दान वो ---- (2)
देरवेओ आम्मा जी बाहरे कुन जोगी आया
काहे दा मांगदा ये दान वो --- (2)

पिता :- सिरे मुकुट तिमे फुलाँ दियाँ माला
कन्या दा मांगदा ये दान वो --- (2)

→ यह गीत उस समय गाया जता है जब दुल्हन सज-सवरकर तैयार बैठी होती है और आँगन मे बारात पहुँच जाती है तो वह अपने माता-पिता से यह प्रश्न करती है - कि बाहर कौन आया है और वह क्या मांग रहा है तो उसके पिता जवाब देते हैं कि - तुम्हारे पति अर्थात दुल्हा आँगन में आ चुका है और वह अपनी दुल्हन को साथ ले जाना चाहता है।

हरे हूँदे कनका दे खेत
धीरे- धीरे कटदे वैंदे
प्यारे हूँदे बापू जी दे देश
धीरे [illegible]

चम्म चढ़या [illegible] आल
चन्न चढ़दे ने रस्मा चूड़ियाँ ---- (2)

माता रोंदीयाँ पिता दे ओले
धीआँ अपणे करो जो चालीयाँ ---- (2)
तू क्या रोंदी माए मेरीए
धीआँ सारे जहाँ ने तोरीयाँ

• चन्न चढ़ेया बनी दे ओले
चन्न चढ़दे ने रस्माँ छाड़ियाँ ---- (2)

चाची रोंदी ए बैठी रसोई
तियाँ आपणे कराँ नो चलीयाँ ---- (2)
तू क्या रोंदी चाची मेरीए
तियाँ सारे जाँ ने तोरीयाँ

• चन्न चढ़ेया बनी दे ओले
चन्न चढ़दे ने रस्माँ छाड़ियाँ --- (2)

ताई रोंदी ए बैठी दरवाजे
तियाँ आपणे कराँ नो चालियाँ ---- (2)
तू क्या रोंदी ताई मेरीए
तियाँ सारे जाँ ने तोरीयाँ

लड़के के विवाह में गाई जाने वाली घोड़ियाँ

• लाल दरी अंगना मे बिछवादे रे बन्ने
लाल दरी अंगना मे बिछवादे रे बन्ने ॥

दरी पे बैठी दादी हुकम चलावे
दरी पे बैठी दादी हुकम चलावे

उसी दरी पे मम्मी सबको बिठावे
उसी दरी पे मम्मी सबको बिठावे

बिलजुल गीत सुनावे हरयाली बन्ने
ढोलक पे थाप लगावे हरयाली बन्ने

• लाल दरी अंगना में बिछवादे रे बन्ने
लाल दरी अंगना में बिछवादे रे बन्ने

उसी दरी पे तेरी ताई भी नाचे
उसी दरी पे तेरी ~~ताई~~ चाची भी नाचे

ताऊ जी नोट लुटावे हरयाली बन्ने
चाचा जी नोट लुटावे हरयाली बन्ने

लाल दरी अंगना में बिछवाई रे बन्नी
लाल दरी अंगना में बिछवाई रे बन्नी

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी
बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी

तेरे दादा हजारी ने मोल लयी
दादी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥
तेरे बाबा हजारी ने मोल लयी
मम्मी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

तेरे चाचा हजारी ने मोल लयी
तेरे ताऊ हजारी ने मोल लयी ॥
चाची पद्मनाए मोतीयन की लड़ी
ताई रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

तेरे मौसा हजारी ने मोल लयी
तेरे फूफा हजारी ने मोल लयी
मौसी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी
बुआ रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

→ यह गीत एक 'घोड़ि' गीत है जो कि लड़के के विवाह में गाया जाता है। यह गीत उस समय गाया जाता है जब बारात अपने घर से चलने के लिए तैयार होती है और सभी नव-वधू को ताने की खुशी में नाच रहे होते हैं।

सोला सेरे सतारा लड़ियाँ
सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ ॥

किने राजे बनाया सेरा
किने शानेँ सजाया सेरा ॥

सोला सेरे सतारा लड़ियाँ
सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ ॥

मामे राजे बनाया सेरा
मामेय शानेँ सजाया सेरा ॥

किने राजे बनाई बड़ी
किने शानेँ सजाई बड़ी ॥

जीजे राजे बनाई बड़ी
बहना शानेँ सजाई बड़ी ॥

सोला सेरे सतारा लड़ियाँ
सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ ॥

→ यह गीत उस समय गाया जाता है जब दुल्हे को सेहरा पहनाया जाता है।

ऐसे गीतों के द्वारा ही हम अपनी लोकसंस्कृति को बाँध कर रखते हैं ताकि आनी आनेवाली पीढ़ियाँ अपनी संस्कृति को भूल न जाए,

Name :- Munish

Class : B.A III^rd yr.

Roll No :- 21220704

Subject :- Music

Submitted To :- Dr. Niti Gupta

Topic :- हिमाचल के विवाह गीत

Signature :-

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature_____

हिमाचल प्रदेश में शादियाँ महज मिलन नहीं हैं, वे परंपरा, रंग और मधुर धुनों से सराबोर उत्सव हैं जो प्यार और एकजुटता की अविस्मरणीय कहानियां बुनते हैं। इस सुरम्य राज्य के विवाह गीत सिर्फ संगीत से कहीं अधिक हैं, ये खुशी, अनुष्ठानों और पारिवारिक बंधनों के सार को कहानियां सुनाते हैं। हिमाचल प्रदेश में गाये जाने वाले विवाह गीतों में से कुछ निम्नलिखित हैं-

(1) घोड़ी तेरी विरा वे काठी बनीए लाहौर x2

अंबरसरिया विरा वे कच्ची कलियाँ ना तोड़ x2

मालन बोले, बोले वो विरा मंडे बोल x2

सह न सकदी विरा वे मेरा दिल कमजोर x2

सैहरा तेरा के विरा वे मुकट बनया लाहौर x2

बारे तेरे विरा वे लौंग डोरां बनियाँ लाहौर x2

वर्दी तेरी विरा वे पगड़ी बनिए लाहौर x2

मालन बोले, बोले वो विरा मंडे बोल x2

(2) घोड़ी विकदी है डुगड़े बाजार वे बेटा
रुस के ना जाईं माता नाल वे,
वे बेटा घोड़ी विकदी डुगड़े बाजार x2

माता का घोड़ी देवेगी नाले काठी देवेंगे
नाले देवेगी गोदी वाला प्यार वे
बेटा रुस के ना जाईं ओ माता नाल वे x2

वर्दी विकदी है डुगड़े बजार वे भाइया
रुस के ना जाईं ओ बहना नाल वे x2

बहना वर्दी देवेगी नाले टाइयाँ देवेंगे
नाले देवेंगी बचपन वाला प्यार वे भाईया
रुस के ना जावीं बहना नाल वे x2

(3) सोलह सेहरे 17 लड़ियाँ सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ

x 2

किने राजे बनाया सेहरा, किने रानिये सजाया सेहरा

x 2

सोलह सेहरे 17 लड़ियाँ सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ

x 2

मामें राजे बनाया सेहरा, मामी रानिये सजाया सेहरा

x 2

सोलह सेहरे 17 लड़ियाँ, सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ

x 2

किने राजे बनाई वर्दी, किने रानिये सजाई वर्दी

x 2

सोलह सेहरे 17 लड़ियाँ, सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ

x 2

जीजे राजे बनाई वर्दी, बहनें रानिये सजाई वर्दी

x 2

सोलह सेहरे 17 लड़ियाँ सुच्चे मोतियाँ दे नाल जड़ियाँ

x 2

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature

Chitra

Topic Notes Date

Name : Shaxda Kumari

Class : B.A. 3rd Year

Roll No : 2122070

Subject : Vocal/Instrument - MUSA307TH

Submitted To : Dr. Niti Gupta Ma'am

Topic - हिमाचल प्रदेश में विवाह के समय गाए जाने वाले लोकगीत

Date: / /
Page No.

लोकगीतों में रस है, रिश्तों में बिना नाम लिए
सब कुछ कह देना इसी में संभव है।
पहला गुरु
तो माँ और परिवार ही होता है ...... यदि
उन दृश्यों को देखा नहीं, संबंधों को जिया नहीं
और उस पूरे जीवन की झांकी अगर
दिल में नहीं है तो वो सिर्फ गाने हैं .... वो
लोकगीत नहीं हो सकते।

— मालनी अवस्थी, लोकगायिका

लोकगीत शब्द का साधारण शब्दों में अर्थ है - लोक में प्रचलित, लोक निर्मित व लोकविषयक गीत।
किसी भी समाज का स्वस्थ विकास उसकी अपनी सांस्कृतिक धरोहर व परंपराओं के संरक्षण पर निर्भर करता है।
हिमाचल प्रदेश के लोक-गीत इस पर्वतीय राज्य में रहने वाली जनता की संस्कृति और सभ्यता की अभिव्यक्ति को प्रकट करते हैं। हिमाचल प्रदेश के लोकगीत बहुत मधुर आनंददायक हैं। इन लोकगीतों में हिमाचल की पारम्परिक संस्कृति की झलक आज भी देखने को मिलती है।
प्रदेश में आज भी हर्षोल्लास से सांस्कृतिक कार्यक्रमों व विवाह कार्यक्रमों में लोकगीत गाए जाते हैं।

आधुनिकता के इस दौर में आज भी हिमाचल प्रदेश में लड़के (वर) तथा कन्या (वधु) के विवाह समारोह में पारंपरिक लोकगीत गाए जाते हैं।

Date: / /
Page No.

आधुनिकता के इस दौर में हिमाचल प्रदेश में आज भी लड़के (वर) और कन्या (वधु) के विवाह में लोकगीत पारंपरिक लोकगीत गाए जाते हैं।

गांव की बुजुर्ग महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले गीतों को "सुहाग" कहा जाता है। इन लोकगीतों में कन्या और उसके मायके वालों की सुंदर प्रस्तुति की जाती है।

Date:
Page No.

इन्हीं प्रसिद्ध हिमाचली लोकगीतों में से कुछ लोकगीत निम्नलिखित हैं, जिन्हें हिमाचल के सभी घरों में गाया व सुनाया जाता है।

बाबे (पापा) दूरे न देओं, परदेसे न देयो ......
मेरी मिलणी ना सेहेलियाँ दी जोड़ी ....

बाबे दूरे ना देओं, परदेसे न देयो .....
मेरी बिछड़ी सहेलियाँ दी जोड़ी ......

मेरे अम्मा जी मिलणी, मेरे बापू जी मिलणे
ओ मेरी। मिलणी ना सहेलियाँ दी जोड़ी ....

बाबे दूरे न देयो, परदेसे न देयों
मेरी मिलणी ना सेहेलियाँ दी जोड़ी ....

बाबे दूरे दी तियो परदेसे दी तियो
मेरी मिलणी न सहेलियाँ दी जोड़ी ....

मेरे भाइया भी बिछड़े मेरी भाभी भी बिछड़े
ओ मेरी। बिछड़ी सहेलियाँ दी जोड़ी 1

इस लोकगीत में बेटी अपने पिता से कहती है कि पिता जी मुझे दूर परदेस ना भेजो। वहां न मुझे आप मिलोगे न मेरी माँ और ना मेरी सखियां। इस लोकगीत मे एक पिता व बेटी का बड़ा ही मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

पल्ला झाड़ के सवेरे चलियां जाणा

Date: / /
Page No.

पल्ला झाड़ के सवेरे चलियां जाणा
मैं हुण चलियां जाणा, बावा जी तेरे महला दी ......

पल्ला झाड़ के सवेरे चलियां जाणा, मैं हुण चलियां जाणा ...
बावा जी तेरे महला दी ....

पूत बणके कमाया घरे तेरे, कमाया घरे तेरे ....
तू दाज देके तूरी बावा जी ....

ताने मारदीयां सखियां परजाइयां, बागा दिया झाइया ....
बावा जी तेरे महला दी ....

पल्ला झाड़ के सवेरे चलियां जाणा, मैं हूण चलियां जाणा ...
पाइया जी तेरियां महला दी ....

पूत बणके कमाया घरे तेरे, कमाया घरे तेरे .....
तू दाज देके तूरी पाइया जी ......

पल्ला झाड़ के सवेरे चलियां जाणा
मैं हुण चलियां जाणा, बावा जी तेरे महला ते ...

ऊपर लिखे गए लोकगीत में बेटी घर से सदा के लिए दूर जाने को लेकर (बिदाई) के समय का दृश्य प्रस्तुत करते है जिसमें वो हमेशा के लिए घर को छोड़ने की बात करते है, क्योंकि अब उसकी शादी हो रही है, अब उसे अपने ससुराल जाना होगा। -

माता दियां गोदां

Date: / /
Page No.

माता दियां गोदां, दो जणे खेलदे ......
खेलदे पैणा ते, पाइया जी ....

किसे जो देणे ओये महला चवारे ......
किसे जो देणे परदेस जी ......

पुतरा जो देणे ओये महला चवारे ......
तियां जो देणा परदेस हो जी ......

किसे जो देणे ओये महला चवारे ......
किसे जो देणे परदेसे हो जी ......

माता दियां गोदां, दो जणे खेलदे ......
खेलदे पैणा ते, पाइया जी ......

ऊपर दिया गया गीत एक सुहाग गीत है जिसमें बेटी के जीवन का बड़ा ही मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है। जिसमे वह कह रही है अपने भाई से कि माता की गोद में दो जणे खेलते थे आपको तो महल चवारे मिले व मुझे परदेस (ब्याह) भेज दिया।

लोक गायकी –

बिलासपुर जिले का एक सुहाग गीत :

हुसा मेंहदिया दे छोटे - छोटे पात
जीवें जीवें पात,
बैठे ओ पंछी रुदन करे 2

पिताजी दाज देयां ओ इक लक्ख दा
देयां ओ दो दो लक्ख दा
शोभा ओ तेरी तांई बणनी 2

हुसा मेंहदिया दे छोटे - छोटे पात
जीवें जीवें पात,
बैठे ओ पंछी रुदन करे ....

हुसा मेंहदिया दे छोटे - छोटे पात
जीवें जीवें पात,
बैठे ओ पंछी रुदन करे ....

ऊपर बिलासपुर जिले का एक सुहाग गीत दिया है, जिसमें बेटी अपने पिता को कह रही है कि इस मेंहदी के पत्ते बहुत छोटे - छोटे हैं। शादी में एक - दो लाख का दहेज देना आपकी शोभा तभी होगी। पिता बेटी को समझाते हुए कह रहे हैं कि तू अपने पति से प्यार से बोलना मेरी शोभा उसी में है।

घोड़ियाँ - लड़के के विवाह समारोह में कन्या पक्ष वालों के साथ रिश्ता तय होने वाले दिन ही लड़के के घर में घोड़ियाँ गाई जाती हैं। बिलासपुर जिला में आज भी यह परंपरा निभाई जा रही है। विवाह सम्बन्धी और कुछ अन्य गीतों को "सेठणियां" भी कहते हैं। इन गानों के बोल अगर हम गहराई से समझें तो बहुत कुछ सिखाते हैं।

नीचे दिए गए गाने (घोड़ी) में लड़का अपने दादा को कह रहा है कि घोड़ी ले आओ मुझे भी नई दुल्हन का चाव है। फिर पूछ रहा है कि बागों में फूल खिलते हैं आज बहुत बड़ा फूल खिला है, तो दादा कहते हैं कि बेटा आजकल शादियां हो रही हैं, ये इसीलिए खिला है। फिर वो अपनी बहनों से कपड़े और मामा से सेहरा मांगता है कि मुझे भी नई दुल्हन का चाव है।

घोड़ी सियाई दे अज्ज ओ दादाजी
नवीयां बन्नीया दा चाव 2

बागीं तां खिलदे फूल्ल ओ दादाजी
अज्ज गट्ट ओ खिलेया 2

लगियां प्रेम शादियां बेटा जी
गट्ट तांई ओ खिलेया 2

घोड़ी सियाई दे अज्ज ओ डैडी जी
नवीयां बन्नीया दा चाव 2

Date: / /
Page No.

बागीं तां खिड़े, फूल्ल ओ पाईया जी
अज्ज गड्ड ओ खिलेया 2

बागीं तां खिल्दे, फूल्ल ओ पाईया जी
अज्ज गड्ड ओ खिलेया ....

लगियां प्रेम वाली झाड़ियां पाईया जी
गड्ड तांई ओ खिलेया 2

कपड़े सियाई दे अज्ज ओ पैणा जी
नवीयां बन्नीया दा चाव 2

बागीं तां खिल्दे फूल्ल ओ पैणा जी
अज्ज गड्ड ओ खिलेया 2

लगिया प्रेम वाली झाड़ियां बीरा जी
गड्ड तांई ओ खिलेया 2

सेहरा सियई दे अज्ज ओ मामा जी
नवीयां बन्नीया दा चाव 2

Date: / /
Page No.

दुध गड्डयाँ, दुध गड्डयाँ अखबारा
बेटा वे तेरे शगुन दियाँ 2

कौन बेटे दा शगुन मनावे
कौन पढ़े अखबारा ....

बेटा वे तेरे शगुन दियाँ
दुध गड्डयाँ अखबारा
बेटा वे तेरे शगुन दियाँ .....

माता बेटे दा शगुन मनावे
भाईया पढ़े अखबारा ....

बेटा वे तेरे शगुन दियाँ
दुध गड्डयाँ अखबारा ......

बेटा वे तेरे शगुन दिया .....

कौन पाइये दा शगुन मनावे
कौन पढ़े अखबारा ......

बेटा वे तेरे शगुन दियाँ .....
दुध गड्डयाँ अखबारा ....

पैणा पाइये दा शगुन मनावे
जीजा पढ़े अखबारा ....

Date: / /
Page No.

बेटा वे तेरे शगुन दियाँ
इय गड्या अरवबारा.....

बेटा वे तेरे शगुन दियाँ
इय गड्या अरवबारा
बेटा वे तेरे शगुन... दियाँ।

ये तो केवल कुछ लोकगीत है जिन्हें लिखा गया है किन्तु ऐसे अनगिनत लोकगीत है, जो आज भी हिमाचल के हर घर में विभिन्न कार्यक्रमों, संस्कारों के दौरान गाए जाते हैं। यह लोकगीत है जो हमारी संस्कृति व सभ्यता को गीत के रूप में भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का काम कर रही है। इन गानों के बोल यदि गहराई से समझे तो यह बहुत कुछ सिखाते हैं।

Reference स्रोत

1.
2.
3. लोकगीतों को (गाँव की महिलाएं समुह में गाती थी)
कमलेश मैम
(लाइब्रेरियन)
राजकीय महाविद्यालय बरोटीवाला
(हिमाचल प्रदेश)